

# शिवाष्टकम्

प्रभुम् प्राणनाथम् विभुम् विश्वनाथम्  
जगन्नाथम् सदानन्दलाभम् |  
भवदभव्यभूतेश्वरम् भूतनाथं  
शिवम् शंकरम् शम्भुमीशानमीडे || १ ||

गले रूडमादम् तनौ सपञ्जालम्  
महाकालकालम् गणेशाधिपालम् |  
जटाजूटगंगोत्तरअगैविशालम्  
शिवम् शंकरम् शम्भुमीशानमीडे || २ ||

मुदामाकरम् मंडनम् मंडयन्तम्  
महामंडलम् लस्मभूषाधरन्तम् |  
अनादिम् त्वपारम् महामोहमारम्  
शिवम् शंकरम् शम्भुमीशानमीडे || ३ ||

तटाधोनिवासम् महावृद्धासम्  
महापापनाशम् सदा सुप्रकाशम् |  
गिरीशम् गणेशम् सुरेशम् महेशम्  
शिवम् शंकरम् शम्भुमीशानमीडे || ४ ||

गिरीन्द्रात्मजसङ्गृहीतार्धदेहम्  
गिरौ संस्थितम् सर्वदासन्नगेहम् |  
परब्रह्म ब्रह्मादित्तिवैन्द्यमानम्  
शिवम् शंकरम् शम्भुमीशानमीडे || ५ ||

कपालम् त्रिशूलम् कराव्याम् दधानम्  
पदाम्भोजनम्राय कामम् दधानम् |  
बलीवर्ध्यानम् सुराणाम् प्रधानम्  
शिवम् शंकरम् शम्भुमीशानमीडे || ६ ||

शरच्चन्द्रगात्रम् गुणानन्दपात्रम्  
त्रिनेत्रम् पवित्रम् धनेशस्य मित्रम् |  
अपञ्चकलत्रम् चरित्रम् विचित्रम्  
शिवम् शंकरम् शम्भुमीशानमीडे || ७ ||

हरम् सपेंडारम् चिताभूविहारम्  
 लवम् वेदसारम् सदा निर्विकारम् |  
 श्मशाने वसन्तम् मनोजम् दृष्टन्तम्  
 शिवम् शंकरम् शम्भुमीशानमीडे ॥ ८ ॥

स्तवम् यः प्रलाते नरः शूलपाशेः  
 पठेत्सर्वदा भग्नोत्तानुरक्तः |  
 स पुत्रम् धनम् धान्यमित्रम् कुलत्रम्  
 विचित्रम् समासाद्य मोक्षम् प्रयाति ॥ ९ ॥

\*\*\*\*\*